

संकट हरे है ये बालाजी | By Prakash Chauhan

संकट हरे हैं ये बालाजी
मंगल करे हैं ये बालाजी
मेहंदीपुर धाम जिनका लागे दरबार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है

दर्शन को आते यहाँ भक्त दिन रात हैं
बालाजी दयालु से बन जाती बात है
लाल है लंगोट करे सिन्दूरी सिंगार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है

राम जी के भक्त प्यारे श्री हनुमान जी
मन बड़ा भोला तन वज्र के सामान जी
लंका जला के आये महिमा अपार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है

आस करे पूरी प्रेम जाने जिसने पूजा है
अंजना के लाल जैसा और नहीं दूजा है
श्रद्धा सुमन अर्पण कर मिलता करार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-prakash-chauhan/>